डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 185 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 21 अप्रैल 2025 | मूल्य 2 रुपया

नागदा गली से चोरी हुऐ दो दुपहिया वाहन

शहर में सक्रिय बाईक चोर, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अंचल में दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। जिससे आमजनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। ताजा मामला शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन रोड स्थित नागदा गली का है। जहां सुबह-सुबह करीब 4:48 बजे अज्ञात बदमाशो ने दो बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में भी साफ तौर पर कैद हुई है।

सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि तीन युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर नागदा गली पहुंचे। मौके पर पहुंचते ही दो युवक बाइक से उतर गए। जबकि, तीसरा वहीं बाइक पर बैठा रहा। एक युवक पास खड़ी टीवीएस राइडर बाइक की तरफ बढ़ा और कुछ ही सेकंड में उसका लॉक तोड़कर बाइक स्टार्ट कर फरार हो गया। दूसरा युवक हाथ में पत्थर लेकर चारों ओर निगरानी करता नजर आया। इसके कुछ ही मिनट बाद ये दोनों दोबारा लौटे और उसी तरकीब से दूसरी बाइक, हीरो होंडा को भी चुरा ले गए। दोनों बाइकें दीपक मेघनानी और कन्हैयालाल जोशी की थी, जो उनके घर के बाहर खड़ी थी।

स्थानीय रहवासियों के अनुसार यह पहला मौका नहीं है जब नागदा गली में बाइक चोरी हुई हो। दीपक मेघनानी की बुलेट मोटरसाइकिल भी करीब सात माह पहले चोरी हो चुकी है, जिसका आज तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि पुलिस इन घटनाओं को गंभीरता से नहीं ले रही है, जिससे चोरों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। लेकिन, अब तक किसी भी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। रहवासियों ने पुलिस कप्तान से मांग की है कि वाहन चोरों की बढ़ती वारदातों को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया जाए, जो सिर्फ वाहन चोरों पर कार्यवाही करे। आमजन का कहना है कि जिले में वाहन चोरी की घटनाएं जिस तेजी से बढ़ रही हैं, वह पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खडे कर रही हैं। यदि जल्द सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आम नागरिकों की सुरक्षा और संपत्ति पर खतरा बना रहेगा।

शादियों के सीजन में सक्रिय मिलावटखोर..!

त्योहारों पर औपचारिकता निभा रहा खाद्य एवं औषधि विभाग

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। एक दिन पहले फतेहगढ़ में दूषित मिठाई ने डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया। कहीं न कहीं मिलावटखोरों को अधिकारियों द्वारा दिया जा रहा अभयदान लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। त्योहारों पर जरुर औपचारिकता का खेल कर आंकड़े बढ़ाने के लिए धड़ल्ले से संपल लिए जाते हैं। लेकिन, शादियों की सीजन में मिलावटखोर तगड़े सक्रिय नजर आ रहे हैं। इन दिनो मावा, दूध और तेल से लेकर शादियों में पहुंचाई जाने वाले खाद्य पदार्थो की शुद्धता सवालों के घेरे में है।

शहर के गली-चौराहों व जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में मिलावटखोरी का कारोबार चरम पर है। शहर सहित जिले के कई होटलों में ग्राहकों को दूषित खाद्य सामग्री परोसी जा रही है। विभागीय अधिकारी केवल त्यौहारी सीजन में अभियान चलाकर जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेते है। लेकिन, सामान्य दिनों में होटलों और छोटी मोटी दुकानों पर मिलावट की खबरें आती है। किन्तु, अब मिलावट होलसेल में हो रही है। इसका कारण है शादियों में होलसेल में माल सप्लाय किया जाता है। क्विंटलों की मात्रा में दूध, दही, पनीर, मावा, तेल, घी का आर्डर दिया जाता है। लेकिन, इनकी शुद्धता का परीक्षण करने में जिम्मेदार विभाग रुचि नहीं दिखा रहा। इसी का परिणाम है कि फतेहगढ़ जैसी घटनाएं सामने आती है। इसके पहले भी कई बार दूषित भोजन लोगों को अस्पताल पहुंचा चुका है।

हलवाईयों पर भी होना चाहिए कार्यवाही...?

अकसर देखा गया है कि कहीं भी फूड प्वाईजनिंग का मामला होता है तो मावा, दूध, दही जहां से लाया गया है। वहां जाकर जांच का खेल खेला जाता हैं। जबकि, होना यह चाहिए कि जिसके यहां कार्यक्रम था और जिस हलवाई ने मिठाई तैयारी की है। उसकी जांच होना चाहिए। क्योंकि भारी गरमी में दूध जिसने भेजा है, उसने तो अपने तई अच्छा ही भेजा है। लेकिन, हलवाई ने सुबह ही बंगाली मिठाई दी और उसे गरमी में खुला छोड़ दिया। शाम को जब भोजन शुरु होना है तब बर्फ लाकर उसे ठंडा किया है तो मिठाई दोपहर की गरमी में पहले ही खराब हो जाती है। ऐसे में जब शाम को मेहमान मिठाई खाते है तो उनका बीमार होना निश्चित है। इसलिए ऐसे मामलो में हलवाई और आयोजक दोनो की जांच होना चाहिए कि उन्होंने मिठाई खराब होने से पहले ठंडा करने के लिए समय पर बर्फ मंगाई थी या नहीं ?

इसका कारण है कि अभी तक जब भी ऐसी स्थिति सामने आई है। तब कार्यवाही मावा दुकानदार या दूध डेयरी संचालक पर हुई है। लेकिन, जब अंदरखाने जांच हुई तब पता चला कि थोड़े से रूपए बचाने के लिए आयोजक और हलवाई ने मिलकर लापरवाही बरती है। भारी गरमी में यदि मिठाई को बनाने के तत्काल बाद बर्फ में नहीं रखा गया तो उसका खराब होना निश्चित होता है?

मावा से लेकर दूध और तेल की शुद्धता पर उठ रहे सवाल

मिलावट पर यह है जुर्माने और सजा का प्रावधान...

खाद्य पदार्थों की मिलावट के मामले में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 51 के तहत सैंपल में मिलावट पर पांच लाख रुपए जुर्माने से लेकर एक साल तक की सजा का प्रावधान है।

इन बिंदुओं पर तय होता है जुर्माने और सजा का प्रावधान...

* कितनी मात्रा में या किस स्तर पर मिलावटी सामग्री का निर्माण किया गया। * किसी खाद्य पदार्थ में अनफेयर मिलावट कितनी की गई है। * मिलावटकर्ता ने मिलावट से कितना अवैध फायदा कमाया है। * मिलावटकर्ता ने ऐसा अपराध पहली बार किया या बार-बार किया है।

* **केमिकल या अखाद्य पदार्थ की मिलावट:** खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 51 के तहत यदि सैंपल में केमिकल या अखाद्य पदार्थ की मिलावट पर सजा के अलग-अलग प्रावधान है।

* **किसी को शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचा:** तीन महीने की सजा और एक लाख रुपए का जुर्माना। * किसी को अस्थाई शारीरिक नुकसान या मामूली क्षति: एक साल की सजा और तीन लाख रुपए का जुर्माना।

* **किसी व्यक्ति को गंभीर क्षति पहुंचती है या स्थायी नुकसान:** 6 साल की सजा और पांच लाख रुपए का जुर्माना।

* **किसी व्यक्ति या व्यक्तियों की मृत्यु होने पर:** कम से कम सात साल या आजीवन कारावास की सजा।

यह होता है शरीर को नुकसान- * मिलावटी दूध या घी के सेवन से स्नायु तंत्र प्रभावित होता है। खासतौर पर बच्चों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। * मिलावटी मसाले व अन्य खाद्य पदार्थ उदर संबंधी बीमारियों को जन्म देते है। * मिलावटी उत्पाद त्वचा सहित एलर्जिक का कारण बनते है। * खाद्य तेल में राइस ऑइल की मिलावट तमाम बीमारियों का कारण बनती है।

जुर्माना भर के छूटने का प्रावधान...

दिवाली हो या शादियों की सीजन काजू कतली में मूंगफली की मिलावट की जा रही है। मावे में आलू और आटे की मिलावट हो रही है और इसी से बनी मिठाई दुकानों में बिकने के लिए तैयार है। बेसन में मक्के का आटा मिलाया जा रहा है। प्रदेश में अन्य जगहों पर खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग ने अलग-अलग दुकानों से जो सैंपल लिए हैं, उनमें इसी तरह की मिलावट पाई गई है। दरअसल, ये मिलावटखोरों की नई तरकीब है। वे खाद्य पदार्थों में केमिकल या सिंथेटिक पदार्थ मिलाने के बजाय घटिया स्तर के खाद्य पदार्थों की मिलावट कर रहे हैं। ऐसा कर वे कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। दूसरी तरफ ये मिलावट लोगों की सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाती। इसलिए सैंपल अमानक पाए जाने पर भी केवल जुर्माना भर कर छूट जाते हैं।

कप्तान सहित अधिकारियों ने देर रात देखे थाने

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद और एएसपी गौतम सोलंकी ने देर रात पिपलियामंडी और नारायणगढ़ थाने के अलावा पुलिस चौकियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा जिले में पदस्थ एसडीओपी ने भी थानों का औचक निरीक्षण किया।

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद देर रात पिपलियामंडी थाने और बूढ़ा चौकी पहुंचे। यहां कप्तान ने थाना परिसर का निरीक्षण किया। थाने के निरीक्षण के दौरान मालखाने, रिकॉर्ड रूम, जरायम रजिस्टर एवम थाने पर रखे बलवा ड्रिल सामग्री जैसे बॉडीगार्ड, हेलमेट, जाली, लाठी आदि को भी चेक किया। ड्यूटी पर उपस्थित थाने के अधिकारी एवम कर्मचारी से चर्चा की तथा निरीक्षण किए गए थाना व चौकी के प्रभारियों को सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसी प्रकार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सोलंकी द्वारा अनुभाग के थाना पिपलियामंडी तथा थाना नारायणगढ़ एवं थाना नारायणगढ़ के अंतर्गत झारड़ा चौकी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मालखाने, बंदी गृह, जरायम, रिकॉर्ड रजिस्टर एवं थाने की व्यवस्थाओं से संबंधित अन्य निरीक्षण किए गये एवं सुधार हेतु सम्बन्धित थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। पुलिस कप्तान श्री आनंद के नेतृत्व में जिले के अन्य वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने अनुभाग के थानों का रात्रि में औचक निरीक्षण किया गया। जिनमें एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण श्रीमती कीर्ति बघेल द्वारा अपने अनुभाग के भावगढ़ थाने का औचक निरीक्षण किया गया। तथा एसडीओपी सीतामऊदिनेश प्रजापति द्वारा अपने अनुभाग के थाना गरोठ एवं सुवासरा का औचक निरीक्षण किया गया तथा थाने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित थाना प्रभारी को सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए।

जल्द शुरु होगा साइबर अपराधों का काल सेंटर

भोपाल, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। वक्त रहते साइबर अपराधों की सूचना लेने के लिए मप्र साइबर पुलिस जल्द ही हेल्पलाइन नंबर 1930 का अपना डेडिकेटेड कॉल सेंटर शुरू करने जा रही है। अभी 1930 डायल करने पर कॉल, डायल-100 के कॉल सेंटर पर लैंड होती है। साइबर अपराधों की सूचना पर काम करने के लिए डायल-100 के कॉल सेंटर पर सिर्फ दो कॉल टेकर्स हैं। जबकि, कॉल करने वालों की संख्या काफी ज्यादा है। ये संबंधित थाने पर सूचना देते हैं। लिहाजा, रिस्पॉन्स करने में पुलिस को 02 से 08 घंटे तक का वक्त लग जाता है। इतने समय में जालसाज रकम निकाल चुके होते हैं। दावा है कि नई व्यवस्था शुरू होने के बाद ये रिस्पॉन्स टाइम 01-02 घंटे हो जाएगा।

शुरूआत 20-20 कॉल टेकर्स से करेंगे...

राज्य साइबर पुलिस कप्तान श्री प्रणय नागवंशी ने बताया कि जल्द ही इस कॉल सेंटर की शुरूआत 20-20 (दिन और रात) कॉल टेकर्स के साथ की जाएगी। हमारी योजना इनकी संख्या बढ़ाकर 90-90 कॉल टेकर्स करने की है। डायल-100 सिस्टम भी एक-दो महीने में नए भवन में शिफ्ट हो जाएगा। 1930 के कॉल सेंटर के लिए पुराने भवन का इस्तेमाल किया जाएगा। क्योंकि, यहां पूरा सेटअप पहले से मौजूद है।

वेल्डिंग के दौरान बाइक में लगी आग, जलकर हुई खाक

पिपलियामंडी, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। वेल्डिंग कराने आए एक युवक की बाइक में आग लग गई, कुछ देर में ही बाइक जलकर पूरी तरह खाक हो गई। रविवार शाम छह बजे करीब बरखेड़ापंथ निवासी युवक बाइक की स्टेण्ड को सही करने के लिए वेल्डिंग कराने रेलवे ब्रिज के नीचे सत्तार मन्सूरी की दुकान पर पहुंचा। इसी दौरान पेट्रोल लिकेज होने से बाइक ने आग पकड़ ली। मौके पर सब्जी विक्रेता लोकेश धनगर ने जलती बाइक को दुकान से कुछ दूर ले जाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की दिवार के पास खड़ा किया, इससे हादसा टल गया। कुछ देर में ही बाइक आग का गोला बन गई और जलकर खाक हो गई। सूचना पर नगर परिषद् की दमकल मौके पहुंची व आग बुझाई।

अब तक के हाई पर सोना

पहली बार 95 हजार 600 रुपए प्रति दस ग्राम बिका

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सोने के भाव में लगातार तेजी जारी है। रविवार अवकाश से पहले शनिवार को भाव में 750 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी आई और सराफा बाजार में सोना 95 हजार 600 रुपए प्रति दस ग्राम बिका। सोने के अब तक के यह ऑल टाइम हाई भाव हैं। वहीं जेवराती सोना 87 हजार 570 रुपए प्रति दस ग्राम बिका। जबकि एक दिन पहले शुक्रवार को भाव 94 हजार 850 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

बताया गया है कि इस महीने भाव में 2900 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी आई है। 01 अप्रैल को भाव 92 हजार 700 रुपए प्रति दस ग्राम थे। सराफा व्यापारियों के मुताबिक भाव में आगे भी तेजी जारी रहेगी। इधर सोने के साथ ही चांदी में भी तेजी आई और चांदी 97 हजार 200 रुपए प्रतिकिलो बिकी। जबकि, एक दिन पहले इसके भाव 95 हजार 600 रुपए प्रति किलो थे। हालाकि चांदी अभी भी रिकॉर्ड भाव से सस्ती बिक रही है। चांदी के रिकॉर्ड भाव 1 लाख दो हजार रुपए प्रति किलो रह चुके हैं।

नासिक में धड़ाम से गिरा प्याज, मंदसौर में सस्ते हुए कांदे

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल की सभी मंडियो में प्याज अर्थात कांदे के भाव लगातार नीचे आ रहे हैं। शनिवार को मंदसौर कृषि मंडी में प्याज ढाई रुपए से नौ रुपए प्रतिकिलो बिका। इसके औसत भाव छह रुपए रहे। यानी थोक मंडी में 80 फीसदी प्याज इसी भाव पर बिका। वहीं बाजार में प्याज दस रुपए से पद्रह रुपए प्रतिकिलो बिक रहा है।

शनिवार को थोक मंडी में प्याज की आवक 37 हजार क्विंटल की रही। प्याज की आवक आसपास के गांवों से है और बड़ी संख्या में किसान प्याज बेचने के लिए मंडी पहुंच रहे हैं। आवक लगातार बढ़ने से प्याज के भाव में गिरावट का रूख बना हुआ है। अगले एक महीने तक लोगों को सस्ता प्याज मिलने की उम्मीद है। पिछले माह मंडी में प्याज की आवक 18 हजार क्विंटल प्रतिदिन की रही। वहीं प्याज 05 रुपए से लेकर 14 रुपए प्रतिकिलो बिका। औसत भाव 09 रुपए प्रतिकिलो रहे। इसके बाद से ही प्याज की आवक जोरदार बनी है और प्याज के भाव लगातार गिर रहे हैं। मंडी व्यापारियों के मुताबिक प्याज की आवक ज्यादा है। वहीं नासिक मंडी में भी प्याज के भाव लगातार नीचे गिर रहे हैं। इसका असर देशभर की मंडियों में हो रहा है। इससे प्याज लगातार सस्ता हो रहा है। अगले एक महीने तो तेजी की संभावना नहीं है।

अंचल में हुई गेहूं की बंपर पैदावार

पांच साल बाद कृषि मंडी में 15 हजार बोरी रोज की आवक

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गेहूं के उत्पादन के लिए अनुकूल मंदसौर अंचल की जमीन ने इस बार फिर से बंपर गेहूं पैदा किया है। वर्ष 2020 के बाद इस साल अंचल में गेहूं की पैदावार बंपर हुई है। इस साल के उत्पादन ने पिछले सालों का रेकार्ड तोड़ दिया हैं। बीते वर्षों में गेंहूं का अधिकतम उत्पादन 40 से 44 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक रहा हैं। जबकि, इस वर्ष यह आंकड़ा 48 से 50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पहुंचने का अनुमान कृषि विभाग ने लगाया है और इतना ही उत्पादन हुआ है। रबी सीजन में जिले में 03 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोवनी हुई थी।

कृषि विभाग के अनुसार जिले में 02 लाख 45 हजार हेक्टेयर भूमि पर बोवनी हुई थी। सिंचाई के लिए पानी पर्याप्त होने के साथ ही मौसम का भी साथ मिला। शीतलहर और पाले का प्रकोप भी नहीं रहा। सभी स्थिति ठीक रहने से गेहूं का बेहतर उत्पादन बंपर हुआ हैं। वर्ष 2020 में गेहूं का उत्पादन जिले में करीब 8 लाख मीट्रिक टन के लगभग हुआ था। इस साल रेकार्ड टूट गया हैं। जिले की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि पर करीब 11 लाख 15 हजार मैट्रिक टन से अधिक गेहूं का उत्पादन हुआ हैं। कृषि विभाग के अनुसार प्रति हेक्टेयर 48 से 50 क्विंटल गेहूं का उत्पादन हुआ हैं

अधिक आवक से भाव में गिरावट...

मंडी में नए गेहूं की आवक करीब डेढ़ माह पहले से ही शुरू हो गई थी। नए गेहूं की आवक होते ही मंडी में गेहूं के दामों में गिरावट शुरू हुई। डेढ़ माह पहले 3200 रुपए प्रति क्विंटल तक किसानों को गेहूं के दाम मंडी में मिल रहे थे। अब दाम गिरकर 2300 से 2900 रुपए पर पहुंच गए हैं। मंडी में प्रतिदिन करीब 15 हजार बोरी गेहूं की आवक हो रही हैं। इसके साथ ही समर्थन मूल्य पर भी गेहूं विक्रय में उत्साह हैं। अब तक जिले में समर्थन मूल्य पर एक लाख मैट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीदी हो चुकी हैं।

बारिश अच्छी हुई, मौसम ने दिया साथ...

पहले पर्याप्त वर्षा हुई, पूरी क्षमता से जल स्त्रोत भर गए। भूमि में पर्याप्त नमी के साथ ही ठंड के मौसम में भी तापमान 06 डिग्री से नीचे नहीं जाने का असर यह हुआ है कि रबी की फसल गेहूं के साथ ही चना, सरसो, मसूर सभी का उत्पादन अच्छा हुआ हैं। कृषि विभाग के अनुसार इस वर्ष जिले में 03 लाख हेक्टेयर भूमि पर रबी फसलों की बोवनी हुई। जिसमें से अकेले गेहूं का रकबा 2.45 लाख हेक्टेयर हैं।

विचार-मंथन

लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए जरूरी फैसला

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पैंतीस दवाओं पर पाबंदी लगाने का निर्देश आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर एक जरूरी कदम है। मगर इससे एक बार फिर यही साफ होता है कि दवा कंपनियां किस तरह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं। गौरतलब है कि सीडीएससीओ ने पैंतीस 'फिक्स्ड-डोज काम्बिनेशन' यानी एफडीसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं। इस प्रतिबंध का उद्देश्य इन दवाओं की वजह से जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने पैदा हो रहे खतरों को रोकना है। मगर सवाल है कि सरकार के संबंधित महकमों के तहत एक व्यापक तंत्र होने के बावजूद ये दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंचती हैं। किसी भी दवा के उत्पादन और उसके बाद बाजार में आकर एक जरूरतमंद उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया होती है। अगर कुछ दवाएं लंबे समय तक बाजार में बिकती रहती हैं तो उससे उपजे जोखिम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? पिछले वर्ष अगस्त में भी बुखार, सर्दी, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन एफडीसी दवाओं पर पाबंदी लगा दी गई थी। तब भी यह कहा गया था कि ये दवाएं इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ऐसे निर्देश अक्सर जारी किए जाते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि सख्ती के बावजूद फिर से कुछ ऐसी दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंच जाती हैं। दवा कंपनियों के लिए वे कैसे नियम-कायदे तय किए गए हैं, जिसके तहत वे ऐसी दवाओं का उत्पादन करती है और उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है, जो इंसानों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं? अगर ऐसी दवाएं बनाने वाली कंपनियां राज्यों के प्राधिकरणों से इसके लिए लाइसेंस मिलने को ढाल बनाती हैं, तो क्या इन कंपनियों के साथ-साथ उन्हें इजाजत देने वाले संबंधित महकमों को भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा? सही है कि सीडीएससीओ ऐसी दवाओं को चिह्नित करती है और उसे प्रतिबंधित करने का फैसला करती है। मगर जितने दिनों तक लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाली ऐसी दवाएं बिकती रहती हैं, जरूरतमंद लोग उन दवाओं का सेवन करते हैं, उसका क्या और कितना असर पड़ता होगा? पैंतीस या एक सौ छप्पन दवाओं पर पाबंदी लगाने की नौबत तभी आई, जब उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया। अगर किसी बीमारी के इलाज के क्रम में दी जाने वाली दवा को खतरनाक पाया जाता है, तो यह सुनिश्चित कब होता है? जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्पादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना वैसी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस कैसे जारी कर दिया गया और चिकित्सक उनके सेवन की सलाह किस आधार पर देते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है? सेहत पर कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव पहले ही जटिल समस्या बने हुए हैं। ऐसे में जन स्वास्थ्य को खतरे में डालने वाली दवाओं के उत्पादन और बिक्री को लेकर बेहद सख्त नियम-कायदे लागू नहीं किए गए तो इसका गंभीर खमियाजा सबको उठाना पड़ सकता है।

बिगड़ैल बयानों से योगी-अखिलेश की सियासी मुश्किलें बढ़ेंगी!

कमलेश पांडे

भारत में वामपंथियों की राजनीति वर्गवादी झड़प के हालात पैदा करके, समाजवादियों की राजनीति जातिवादी संघर्ष के हालात पैदा करके और कांग्रेसियों-राष्ट्रवादियों की राजनीति सांप्रदायिक दंगे के हालत पैदा करके खूब फली-फूली! लेकिन विकास के पैमाने पर भारत अपने पड़ोसी देश चीन से 1987 में आगे बढ़कर भी बाद के वर्षों में निरंतर पिछड़ता चला गया। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन जैसे राजनेता एक बार फिर से विवादित बयान देकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे विषैले नेताओं के खिलाफ स्पष्ट कार्रवाई नहीं होने से प्रशासनिक सुचिता और न्यायिक दूरदर्शिता भी अब सवालों के घेरे में है! आप मानें या न मानें, लेकिन मौजूदा विवाद की राजनीतिक कीमत सपा नेता अखिलेश यादव के मुकाबले भाजपा नेता और उत्तरप्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कुछ अधिक अदा करनी पड़ेगी, क्योंकि वह अभी सत्ता में हैं। जिस तरह से आगरा में उनकी मौजूदगी को लेकर अखिलेश यादव ने निशाना साधा है, वह राजपूतों के खिलाफ अन्य समाज को भड़काने की गहरी साजिश है, जिसके दृष्टिगत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सतर्क हो जाना चाहिए और करणी सेना की गैरकानूनी हरकतों पर यूपी में अविलंब रोक लगानी चाहिए। वहीं भाजपा को भी इस मसले को जरूरत से ज्यादा तूल देने से बचना चाहिए। क्योंकि यह सारी सुनियोजित बयानबाजी मुस्लिम शासकों के कुकृत्यों से दलित और ओबीसी हिन्दुओं का ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है, जिसे उसे समझना होगा और इसकी मजबूत रणनीतिक काट निकालनी होगी। यदि भाजपा और योगी इस मामले को ज्यादा तूल देते हैं तो लोकसभा चुनाव 2024 की तरह अखिलेश के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक गठजोड़ को मजबूती मिलेगी, वहीं भाजपा के डीपीए यानी दलित, पिछड़ा, अगड़ा गठजोड़ को भी सियासी धक्का लगेगा। वहीं अखिलेश यादव को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि जब यूपी में दलित नेत्री मायावती उनकी पार्टी के लिए मजबूत चुनौती बनी हुई थीं और मुस्लिम वोटर भी बसपा-सपा में लगभग आधा-आधा बंट गए थे तब भी राजपूत समाज उनका मजबूत वोट बैंक रहा था। उन्हें पता होना चाहिए कि यह यूपी की राजपूत जाति पहले कांग्रेसियों और फिर समाजवादियों की मजबूत वोट बैंक रही है। यह बात दीगर है कि अब केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सबल नेतृत्व के चलते राजपूत मतदाता भी राष्ट्रवादी मिजाज के हो रहे हैं। इसलिए पूरी राजपूत जाति को सपा का विरोधी बना देना उनके लिए राजनीतिक नादानी साबित हो सकती है। इससे न केवल बसपा और कांग्रेस को इसका उठाने का मौका मिलेगा, बल्कि सवर्णों में भी उनका इमेज उनके पिता स्व. मुलायम सिंह यादव से ज्यादा खराब हो जाएगा। ऐसा इसलिए कि हाल में ही सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने बौद्ध मठों के अवशेषों पर मंदिरों के बने होने और उसे मुद्दा बनाने के जो खतरनाक संकेत दिए हैं, उससे साफ है कि वे अरब देशों की तर्ज पर और चीनी एजेंडे को देश में लागू करके सवर्ण हिन्दुओं को दलित हिन्दुओं और ओबीसी हिन्दुओं से भिड़ाने की योजना बना रहे हैं, ताकि हिन्दू-मुस्लिम दंगे की जगह जातीय दंगे शुरू हों और समाजवादियों के राजनीतिक आधार पर कोई आंच नहीं आए। भारतीय प्रशासन और न्यायपालिका को सिरफिरे नेताओं के इस खतरनाक इरादे से देश को बचाना होगा, अन्यथा महाभारत तय है। कहना न होगा कि ये वही विदेशी एजेंट हैं जिन्होंने 1977 में इंदिरा गाँधी के नेतृत्व में मजबूत हो रहे भारत की गति पर ब्रेक लगवाई थी। तब मोरारजी देसाई पर अमेरिकी सीआईए एजेंट होने के आरोप लगे थे जो बाद में देश के प्रधानमंत्री तक बने। भले ही सरकार चलाने में विफल रहे और बदले गए। फिर इन्हीं जैसे नेता लोगों ने 1989 में राजीव गांधी के नेतृत्व में मजबूत हो रहे भारत की गति पर ब्रेक लगवाई7 और अब 2029 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत हो रहे भारत की गति में ब्रेक लगवाने के लिए गृह युद्ध के हालात पैदा करने जैसी विषाक्त बयानबाजी कर रहे हैं। बता दें कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने दो टूक कहा है कि गड़े मुर्दे मत उखाड़ो, वरना भारी पड़ेगा। अगर तुम ये कहोगे कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर है तो फिर हमें भी यह कहना पड़ेगा कि हर मंदिर के नीचे बौद्ध मठ है। और जो लोग बाबा साहब को मानने वाले लोग हैं वो यदि मोहल्ले में जाकर ये प्रचार करना शुरू कर दें तो ये मामला बहुत ही खतरनाक मामला बन सकता है। वहीं आगरा में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने करणी सेना को चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी 19 अप्रैल को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव आगरा आ रहे हैं, जिसके बाद लड़ाई का मैदान तैयार होगा और दो-दो हाथ होंगे। एक तरफ 10 प्रतिशत लोग हैं और दूसरी तरफ 90 प्रतिशत सामाजिक न्याय की शक्तियां हैं, इसलिए विजय हमारी होगी7 इस लड़ाई को कोई माई का लाल नहीं हरा सकता।

उन्होंने करणी सेना को फर्जी सेना कहा और पूछा कि अगर मुसलमान में बाबर का डीएनए है तो तुम्हारे अंदर किसका डीएनए है ये भी बता दो। उन्होंने आगे कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही एक बैठक हुई, जिसमें तोप तलवार हथियार रहे। उन्होंने याद दिलाया कि भरतपुर के राजा रहे सूरजमल की तलवार ने अंग्रेजों के सिर काटे पर कभी किसी गरीब कमजोर पर उनकी तलवार नहीं चली। क्षत्रिय का तो धर्म होता है कि कमजोर की रक्षा करना है और गरीब की मदद करना है। वहीं वह आगे बोलते नजर आए कि हमने तो तीन सेना सुनी है- थल सेना, वायु सेना और जल सेना, लेकिन ये चौथी सेना कहां से पैदा हो गई है? करणी सेना के लिए सांसद ने कहा कि हमारी हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। अरुणाचल प्रदेश को चीन अपने हिस्से में दिखाता है। ये जो करणी सेना के रणबांकुरे हैं वो हिंदुस्तान की सरहद पर चले जाओ और चीन से हमको बचाओ7 वरना दुनिया में तुमसे ज्यादा नकली कोई और हो नहीं सकता। वहीं सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने करणी सेना वालों को ललकारते हुए कहा कि ये लड़ाई हम लोगों की लड़ाई नहीं है, बल्कि ये लड़ाई लंबी है। ये लड़ाई उन लोगों से है जिन लोगों ने अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री न रहने पर मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धुलवाया था। ये लड़ाई उन लोगों से है जिन्होंने राजस्थान की विधानसभा में दलित नेता प्रतिपक्ष के मंदिर में चले जाने से मंदिर को गंगाजल से धुलवाया था।

रामजी लाल सुमन के बिगड़ैल बयानों से योगी और अखिलेश दोनों की सियासी मुश्किलें बढ़ेंगी!

वहीं अखिलेश यादव को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि जब यूपी में दलित नेत्री मायावती उनकी पार्टी के लिए मजबूत चुनौती बनी हुई थीं और मुस्लिम वोटर भी बसपा-सपा में लगभग आधा-आधा बंट गए थे तब भी राजपूत समाज उनका मजबूत वोट बैंक रहा था। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद और दलित नेता रामजी लाल सुमन ने मेवाड़ के प्रतापी राजपूत शासक राणा सांगा को गद्दार बताते हुए जो विवादस्पद बयान दिया है, और क्षत्रियों की अखिल भारतीय 'करणी सेना' ने जिस तरह से उसे जातीय नायकों के अपमान का विषय ठहराते हुए सुमन के घर पर धावा बोल दिया था, उस पर जारी प्रशासनिक और सियासी खानापूर्ति से यदि भारत गृहयुद्ध की आग में झुलस जाए तो किसी को हैरत नहीं होना चाहिए। क्योंकि यह सबकुछ पहले अमेरिकी-पाकिस्तानी एजेंडे और अब चीनी-बंगलादेशी एजेंडे के अनुरूप हो रहा है, जिसे भारत के कथित सेक्यूलर दलों के पृष्ठ पोषक अरब देशों का समर्थन प्राप्त है। समझा जाता है कि जब-जब भारत अपनी सही रणनीति के बल पर विकास की गति को प्राप्त करता है, तब-तब हमारे विघ्न संतोषी कुछ राजनेता विदेशी ताकतों की शह पर यहाँ जातीय और सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की कोशिश करते रहे हैं। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि यहाँ की सियासी बयानबाजियां और उससे जुड़े साक्ष्य इस बात की चुगली करते हैं। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि आखिर वोट बैंक की कुत्सित राजनीति में निर्लज्ज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरूपयोग करके कबतक शांतिप्रिय भारतीय समाज को झुलसाया जाता रहेगा7 क्योंकि कभी बादशाहों के इशारे पर, कभी ब्रिटिश नौकरशाहों के तिकड़म पर और आज भारत के अपने ही राजनेताओं की शर्मनाक शतरंजी चालों पर एक समाज को दूसरे समाज से भिड़ाया जाता है और अपना-अपना राजनीतिक उल्लू सीधा किया जाता है। बता दें कि भारत में वामपंथियों की राजनीति वर्गवादी झड़प के हालात पैदा करके, समाजवादियों की राजनीति जातिवादी संघर्ष के हालात पैदा करके और कांग्रेसियों-राष्ट्रवादियों की राजनीति सांप्रदायिक दंगे के हालत पैदा करके खूब फली-फूली! लेकिन विकास के पैमाने पर भारत अपने पड़ोसी देश चीन से 1987 में आगे बढ़कर भी बाद के वर्षों में निरंतर पिछड़ता चला गया। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन जैसे राजनेता एक बार फिर से विवादित बयान देकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे विषैले नेताओं के खिलाफ स्पष्ट कार्रवाई नहीं होने से प्रशासनिक सुचिता और न्यायिक दूरदर्शिता भी अब सवालों के घेरे में है! आप मानें या न मानें, लेकिन मौजूदा विवाद की राजनीतिक कीमत सपा नेता अखिलेश यादव के मुकाबले भाजपा नेता और उत्तरप्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कुछ अधिक अदा करनी पड़ेगी, क्योंकि वह अभी सत्ता में है। जिस तरह से आगरा में उनकी मौजूदगी को लेकर अखिलेश यादव ने निशाना साधा है, वह राजपूतों के खिलाफ अन्य समाज को भड़काने की गहरी साजिश है, जिसके दृष्टिगत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सतर्क हो जाना चाहिए और करनी सेना की गैरकानूनी हरकतों पर यूपी में अविलंब रोक लगानी चाहिए। वहीं भाजपा को भी इस मसले को जरूरत से ज्यादा तूल देने से बचना चाहिए। क्योंकि यह सारी सुनियोजित बयानबाजी मुस्लिम शासकों के कुकृत्यों से दलित और ओबीसी हिन्दुओं का ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है, जिसे उसे समझना होगा।

परिस्थिति और उद्देश्य पर निर्भर करता है बहस करना या न करना

अमिताभ स.

सच है कि हर कोई बोलना तो बचपन में सीख जाता है, लेकिन अपनी बोलचाल में सही शब्दों का चयन कई बड़े-बड़े विद्वान भी नहीं सीख पाते। उचित शब्दों को चुन कर, सही समय पर बोलना अच्छे-अच्छों को भी सीखते-सीखते ही आ पाता है। और जो सीख ले, वह कई बड़ी बहसों से पैदा झगड़ों से खुद को बचा लेता है। नतीजतन, परस्पर रिश्तों में कटुता नहीं आ पाती। बहस एक भंवर ही है, जिसमें पड़ने से न चाहते हुए भी कठोर और कटु शब्द निकल ही जाते हैं। खासतौर पर आजकल बहसों का जो स्वरूप होता जा रहा है, वह विमर्श कम, टकराव ज्यादा लगता है। हालांकि बहस करना या न करना परिस्थिति और उद्देश्य पर निर्भर करता है। तर्कसंगत नजरिए से की जाने वाली बहस बेशक सोच-समझ की क्षमता बढ़ाती है और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करना सिखाती है। यह कभी-कभी समाधान तक पहुंचने का प्रभावी तरीका भी बनती है, लेकिन साथ-साथ बहस से रिश्तों में तनाव आता है, रिश्ते बिगड़ते हैं और दोनों ओर की शांति भंग होती है। बहस का अर्थ बात-बेबात आपसी वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, सवाल-जवाब, शाब्दिक या जुबानी असहमति और वाक्युद्ध होता है। इंसानी दिमाग में सही और गलत को विभाजित करने की क्षमता होती ही है। इसीलिए सच भी है कि अगर ध्यानपूर्वक दिमाग की सुनें, तो छोटी-बड़ी बेमतलब की बहस से बचा जा सकता है। ओशो की राय भी है कि शांति तभी आती है, जब हम बेकार की बहस से प्रभावित होकर विचलित होना बंद कर देते हैं। एक सुनी-सुनाई कहानी है कि गधे और बाघ के बीच बहस छिड़ गई। गधा कहने लगा कि घास नीली है। बाघ बोला, 'नहीं भाई, नीली नहीं, घास तो हरी है।' गधा अपनी बात से टस से मस नहीं हुआ। बाघ ने सलाह दी कि 'बहस छोड़ो। चलो, जंगल के राजा से फैसला करवा लेते हैं।' दोनों बब्बर शेर के पास गए। गधा बताने लगा, 'महाराज देखिए, मैं इसे कह रहा हूं कि घास नीली होती है, लेकिन यह है कि मानता ही नहीं। कहता है कि घास हरी होती है। अब आप ही बताइए कि कौन सही है और कौन गलत?' शेर गधे से बोला, 'बेटा, तू ठीक कह रहा है कि घास नीली होती है।' सुन कर, गधा खुशी से झूम उठा। शेर ने आगे कहा, 'बाघ, तुमने गधे से बहस की, उसका समय खराब किया। इसलिए तुम्हारी सजा है कि तुम्हें एक दिन मौन रहना होगा- बिल्कुल खामोश।' बाघ की हार और दंड पर तो गधे की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। गधा नाचते-गाते चला गया, तब बाघ ने शेर से जानना चाहा कि आप कैसे राजा हैं? मैं जानता हूं कि घास हरी होती है। सभी जानते हैं कि घास हरी होती है। बावजूद इसके आपने कैसे गधे से सहमति जता दी कि घास नीली होती है? शेर सहज भाव से समझाने लगा, 'तू, मैं और सभी जानते हैं कि घास हरी होती है, लेकिन गधा ही क्यों कह रहा है कि घास नीली होती है। तुझे इसी बात की सजा मिली है कि इस बात पर तुम गधे के साथ बहस कर रहे हो।' वाद-विवाद में पड़ना बुरा नहीं है, बुराई तब है, जब इंसान बिना उद्देश्य की बहस करता है और अपना विवेक खोता है, आपे से बाहर हो जाता है। वास्तव में विवेकशीलता से ही अपनी बेमतलब की बहस का बोध हो सकता है। जब-जब चित्त शांत होता है, मन-मस्तिष्क में स्थिरता होती है, तब-तब कोई भी भड़कीली बहस कर ही नहीं सकता। इसीलिए नासमझ ही बेसिर-पैर की बहस को बढ़-चढ़ कर हवा देते हैं, जबकि समझदार खुद पर काबू रख बहस से दूर हट जाते हैं। सयाने बताते हैं कि अपने संवाद में नपे-तुले शब्दों का चयन संसार की बहुतेरी परेशानियों से बचाने का दम रखता है। यही सुंदरता तमाम सांसारिक विवादों से भी बखूबी बचाती है। यानी बहस से दूरी और अच्छे शब्द ही बहस के भंवर से उभरने वाले संकटों से मुक्ति दिला सकते हैं। किसी ने सही कहा है कि मन, दिमाग और जुबान परेशानियों के घर बन जाएं, तो वे परेशानियां और भी नई परेशानियों को पैदा कर घर बसा लेती हैं। नाहक बहस से बचना एक अच्छा काम ही है। खासतौर पर वैसी और वैसे लोगों के साथ होने वाली बहसों से, जिनकी दिशा बिगड़ जाने की आशंका हो। जीवन में खुशी और खुशहाली तब आती है, जब इंसान बहस करके दूसरों को बदलने की कोशिश करना छोड़ देता है। रूसी साहित्यकार चेखव यशमय जीवन के तीन सरल सूत्रों का जिक्र करते हैं, 'सदा धीरे बोलो, कम बोलो और मीठा बोलो।' कम बोलना बहस नहीं होने दे सकता। समझना चाहिए कि किसी से किसी भी तरह के मुकाबले की जरूरत नहीं है। दुनिया में कम ही लोग हैं।

सिद्धि विनायक गणपति उत्सव समिति द्वारा महाप्रसादी का आयोजन 27 को

तैयारियों को लेकर हुई बैठक में राज्यसभा सांसद गुर्जर सहित समिति के सदस्य हुए शामिल

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नईआबादी स्थित श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर के सामने प्रात: 11 से सायंकाल तक दशम विशाल भण्डारे का आयोजन होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर कल समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों की वृहद बैठक हुई। बैठक में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर भी विशेष रूप से शामिल हुये और उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिये पूरे समर्पित भाव से सभी से जुटने का आव्हान किया। समिति की बैठक में समिति संरक्षक राजेन्द्र अग्रवाल, अध्यक्ष पप्पू चंदवानी, सचिव पारस मावर, कोषाध्यक्ष योगेश याज्ञनिक, सहकोषाध्यक्ष जगदीश सेठिया, समिति संरक्षक विवेक माथुर, भानुप्रतापसिंह सिसोदिया भी मंचासीन थे। बैठक में नवम भण्डारे की आय एवं व्यय का पूरा हिसाब भी प्रस्तुत किया या। बैठक में अरविन्द सारस्वत, विनोद डगवार, पिंकेश चौरड़िया, निलेष जैन, मनजीतसिंह मनी, अशोक छिंगावत, सुंदर आंजना, मिलिंद व्यास, पवन जैन एचएम, सुरेश कालानी, मिलिन्द जिल्हेवार, दिलीप मेहता, दिनेश सेठिया सहित कई गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे।

वृद्धावस्था पेंशन के लिए अच्छी खबर...

नए पात्र लोगों का नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू

नईदिल्ली, 20 अप्रेल। दिल्ली में रहने वाले उन लोगों के लिए अच्छी खबर है, जिनकी आयु वृद्धावस्था पेंशन की हो गई है, लेकिन उनकी पेंशन नहीं बन पा रही है। सरकार ने अब नए पात्र लोगों को इस योजना से जोड़ने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। समाज कल्याण विभाग ने नए पात्र लोगों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए नए लाभार्थियों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू करने तथा इसकी प्रगति का आंकलन करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए विभाग की मंत्री ने बैठक ली और नए दिशा-निर्देश जारी किए। पिछले दस साल से काफी बुजुर्ग इस योजना का लाभ उठाने के लिए इंतजार कर रहे थे। अब उनकी पेंशन शुरू हो जाएगी। दिल्ली में भाजपा ने जब से सरकार बनाई है, तब से यह प्रक्रिया तेज कर दी गई है। ऐसे में पिछले दस साल से पेंशन की इंतजार में बैठे लोगों की परेशानी दूर हो जाएगी।

आपत्तियों को भी दूर करने के निर्देश–बहुत से ऐसे बुजुर्ग है, जिन्होंने पेंशन केलिए आवेदन किया था और किसी कारण उनके आवेदन पर कोई आपत्ति दर्ज हो गई। अब ऐसे बुजुर्गों के आवेदनों की समस्या दूर होगी तथा उनकी आपत्तियों को भी दूर करने के समाज कल्याण विभाग मंत्री ने निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग मंत्री ने इस कार्य की प्रगति की रिपोर्ट भी ली है। इसके अलावा जो लोग पात्र हैं, उनकी आपत्तियां दूर करके उनकी पेंशन जारी करने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे–वृद्धावस्था पेंशन के पात्र लोगों को अब समाज कल्याण विभाग के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। जो भी आवेदन आए हैं, उनका समयबद्ध तरीकेसे निस्तारण करने के लिए मंत्री ने निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि बुजुर्गों को समाज कल्याण विभाग के चक्कर नहीं काटने पड़े, इसके लिए कोई ऐसी व्यवस्था की जाए ताकि उनको पेंशन के लिए इंतजार नहीं करना पड़े। इस समय दिल्ली के चार लाख से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों को समाज कल्याण विभाग की तरफ से पेंशन दी जा रही है। अब यह संख्या बढ़ जाएगी।

चारा एवं भूसे के निर्यात पर 30 जून तक प्रतिबंध लगाया

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती अदिती गर्ग ने जिले में चारा एवं भूसे के निर्यात को रोकने के लिए पर 30 जून तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कियाहै। मंदसौर जिला अंतर्गत चारा/भुसा के निर्यात होने व अन्य कारणों से पशुओं के भुसा एवंचारा आदि की कमी होने की आशंका है। जिले मे उत्पादित भुसा एवं चारे को पशुओं हेतुपर्याप्तमात्रा में आपूर्ति एवं संग्रहण करना आवश्यक है। मप्र पशु चारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के निहित प्रावधानों के अधीन प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए पशुओं के आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारा, भुसा, घास,ज्वांर आदि पशु चारे का उपयोग ईट भट्टे में जलाने, फैक्ट्रियों में जलाने एवं जिले की सीमा सेबाहर निर्यात को तत्काल प्रभाव से 30 जून 2025 तक के लिए प्रतिबन्ध लगाया गया है। समस्त प्रकार के भुसा, चारा, घास, कड़वी आदि को कोई भी कृषक, व्यापारी, व्यक्ति निर्यातक संस्था किसी भी प्रकार के वाहन, नाव, मोटर-ट्रक, बैलगाड़ी एवं रेल्वेभ अथवाअन्य साधन द्वारा जिले के बाहर बिना कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की लिखित अनुमति के निर्यात नहीं करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उक्त आदेश का उल्लंघन होने पर म.प्र. पशुचारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के निहित प्रावधानों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही कीजावेगी।

प्रदेश में मई से हो सकते हैं सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रमोशन

भोपाल, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में नौ वर्ष से बंद पदोन्नतियों का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने विधि एवं विधायी विभाग के अधिकारियों से परामर्श के बाद पदोन्नति नीति का प्रारूप तैयार किया है। इसे कैबिनेट में अंतिम रूप दिया जाएगा। मई में यह नीति कैबिनेट में प्रस्तुत करने की तैयारी है।

इसके बाद पदोन्नति की प्रक्रिया विभागों में प्रारंभ हो जाएगी। जिन विभागों में अधिकारियों-कर्मचारियों की संख्या कम है, वहां पदोन्नति पहले हो सकती है। मंत्रालयीन कर्मचारियों को भी पहले झटके में ही पदोन्नति मिल सकती है। इसे लेकर सामान्य प्रशासन विभाग की तैयारी भी है।

मेरिट और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति– सूत्रों के अनुसार मेरिट और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति देने की तैयारी है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अप्रैल 2016 से पदोन्नति पर सुप्रीम कोर्ट से रोक है। इन नौ वर्षों में लगभग डेढ़ लाख कर्मचारी-अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

विभागीय भर्ती नियमों में बदलाव नहीं– फरवरी 2025 में विधि विभाग ने अपने यहां के लगभग डेढ़ सौ कर्मचारियों को पदोन्नत कर दिया। इसका आधार यह था कि आरक्षण नियम रद होने के बाद भी विभागीय भर्ती नियमों में बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में इन नियमों के आधार पर एक निश्चित अवधि के बाद वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति दी जा सकती है।

पदोन्नति का रास्ता निकालने के लिए कहा था– विधि विभाग में पदोन्नति को आधार बनाकर कर्मचारी संगठनों ने शासन से सभी कर्मचारियों-अधिकारियों की पदोन्नति की मांग की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) और विधि विभाग के अधिकारियों को पदोन्नति का रास्ता निकालने के लिए कहा था। सूत्रों के अनुसार जीएडी ने इसकी तैयारी कर ली है।

आर्थिक लाभ नहीं मिल रहा– कुछ विभागों नें कोर्ट के निर्णय के अधीन रखते हुए कर्मचारियों-अधिकारियों को पदोन्नत कर कार्यवाहक पद तो दे दिया है, पर उन्हें आर्थिक लाभ नहीं मिल रहा है। इस कारण डीपीसी कर उन्हें भी स्थायी तौर पर पदोन्नत किया जाएगा ताकि उस पद के अनुरूप लाभ मिले।

नरवाई जलाने की सूचना नहीं देने पर रेवली देवली का पटवारी रविंद्र सिंह निलंबित

नरवाई जलाने पर अनावेदक के विरुद्ध तहसीलदार ने करवाया अपराध पंजीबद्ध

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन पर्यावरण विभाग भोपाल द्वारा 15 मई 2017 द्वारा वायु (प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 19 (1) के अन्तर्गत जारी अधिसूचना 9 मार्च 1988 के माध्यम से वायु (प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के अनुपालन हेतु संपूर्ण मध्यप्रदेश को वायु प्रदुषण नियंत्रण हेतु अधिसूचित किया गया है। मध्यप्रदेश में वायु (प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 19 (5) एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के आदेशानुसार 01.03.2025 से (गेहुँ के डंठलों को जलाना) नरवाई जलाना प्रतिबंधित किया गया है।

तहसीलदार नीमच ग्रामीण द्वारा दिनांक 20. अप्रैल2025 को एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू को प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया कि ग्राम रेवली देवली में सर्वे नंबर 17 रकबा 0.5100 हेक्टेयर भूमिस्वामी सुरजमल पिता रामेश्वर जाति-ब्राहम्ण निवासी-रेवली दवेली द्वारा खेत में खड़े गेहूँ के डंठलो (नरवाई) एवं फसल अवशेषों में आग लगाये जाने का कार्य किया जा रहा था, जिसकी सूचना संबंधित मौजा पटवारी श्री रविन्द्रसिंह, पटवारी हल्का रेवली देवली द्वारा नही दी गई। जबकि श्री रविन्द्रसिंह को हल्के पर ही निवासरत होकर नरवाई में आग लगाने वालों की सूचना मय रिर्पोट पंचनामें के न्यायालय तहसीलदार नीमचग्रामीण को देनी थी, जो पटवारी द्वारा समय पर नहीं दी गई। एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू द्वारा कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही करने पर पटवारी श्री रविन्द्रसिंह, मोजा रेवली देवली को म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 9 के अन्तर्गत तत्काल निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री रविन्द्रसिंह का मुख्यालय तहसील नीमच रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निलंबित पटवारी श्री रविन्द्रसिंह का रेवली देवली का प्रभार श्री रजनीश यादव पटवारी तहसील नीमचग्रामीण को अन्य आदेश होने तक सौंपा गया है।यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

नरवाई जलाने पर अपराध दर्ज- तहसीलदार नीमच श्री प्रेम शंकर पटेल ने बताया कि 20 अप्रैल को ग्राम रेवली देवली में नरवाई जलाने के फल स्वरुप संबंधित के विरुद्ध पुलिस थाना नीमच सिटी मे अपराध पंजीबद्ध कराया गया है। तहसीलदार श्री प्रेमशंकर पटेल ने अनावेदक सुरजमल पिता रामेश्वर जाति ब्राम्हण निवासी रेवली देवली के विरुद्ध जिला दण्डाधिकारी महोदय के आदेश क. टी-1/नरवाई/2024-25/782 नीमय दिनाक 01/03/2025 का उल्लघंन करने पर अपराध धारा 223 बी.एन.एस. के तहत दर्ज करवाया गया है। प.ह.नं. 27 ग्राम रेवली देवली स्थित भूमि सर्वे क्रमाक 17 रकबा 0.51 है भूमि पर कृषक खातेदार सूरजमल पिता रामेश्वर जाति ब्राम्हण निवासी रेवली देवली द्वारा खेत पर नरवाई जलाने का कार्य किया गया जो मौका मुआयना करने पर पाया गया। तहसीलदार द्वारा पुलिस थाना नीमच सिटी मैं अपराध पंजीबद करवाया गया है।

101 कन्याओं के पूजन के साथ शुरू हुए महाप्रसादी का भक्तों ने लिया लाभ

5100 ली. छाछ का हुआ वितरण, दिन भर लगी रही भक्तों भीड़

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुराना बस स्टेण्ड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव के तहत रविवार को आयोजित विशाल भण्डारे में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। प्रात: 101 कन्याओं के पूजन के साथ शुरु हुए भण्डारे में प्रात: 11 से सायं 4 बजे के बाद तक 20 हजार से अधिक भक्तों ने बालाजी का प्रसाद ग्रहण किया। इस शुभ अवसर पर भगवान बालाजी का आकर्षक श्रृंगार किया गया तथा मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया।

मंदिर समिति द्वारा भक्तों की संख्या को देखते हुए माकूल व्यवस्थाएं की गई जिससे भक्तों ने आसानी से प्रसाद ग्रहण किया। संख्या अधिक होने से भक्तों ने दोपहरी में भी कतारबद्ध तरीके से अपनी प्रतीक्षा आने पर प्रसाद प्राप्त किया। श्री बड़े बालाजी मंदिर समिति अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा एवं प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि प्रात: करीब 11 बजे मंदिर परिसर में पूजा अर्चना के बाद 101 कन्या पूजन किया गया। कन्याओं को उपहार भी भेंट किये गये। कन्या पूजन के बाद महाप्रसादी शुरू हुई। प्रतिवर्ष हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस महाप्रसादी का भक्तों को इंतजार रहता है। हर वर्ष प्रसादी ग्रहण करने हेतु भक्तों की संख्या में वृद्धि होती है। जिसको लेकर मंदिर समिति द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं निर्धारित की जाती है। इस दौरान चिंतामण गणेश मंदिर समिति के मनीष भाटी, उमेश खत्री, गोविन्द सोनी द्वारा करीब 5100 लीटर ठंडी छाछ का वितरण किया गया। गर्मी में भक्तों ने छाछ प्रसादी ग्रहण कर आनन्द अनुभव किया। कई मंदिर समितियों द्वारा जल सेवा के स्टॉल भी लगाये। मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला समिति के सदस्यगण विनय दुबेला, सनी शर्मा, अनिल कियावत, चौथमल शर्मा, विनोद रूनवाल, नरेश चंदवानी, दिनेश जोशी (ऊँशांति), सज्जनलाल खमेसरा, महेन्द्रसिंह सिसोदिया, शिवशंकर सोलंकी, संजय चौरड़िया, कपिल सोलंकी, नारायण पालीवाल, अनिल सुराह, राजाराम तंवर, जीवनलाल गोसर, वरदीचंद कुमावत, मुन्ना बैटरी, आदि ने महाप्रसादी में सेवाएं दी। संचालन मुन्ना बेटरी व दिनेश जोशी ऊँशांति ने किया।

मौत बनकर सड़को पर रात्रि में दौड़ रही सब्जी पिकअप-डोडिया

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सब्जी पिकअप वाहनों की तेज रफ्तार पर प्रतिबंध लगाना अनिवार्य है नही तो रात के अंधेरे मे कई जानें युं ही जाती रहेगी और पुलिस अज्ञात वाहन को ढुंढने मे दिन रात पसिना बहाती रहेगी उक्त बात प्रेस विज्ञप्ती के माध्यम से शिवसेना युवा जिला प्रमुख कमलसिंह डोडिया ने कहा की मंदसोर जिले मे ऐसे कई एक्सीडेंट मामले हुए है जिनमे अज्ञात वाहनों के खिलाफ एफआईआर तो दर्ज हुई है लेकिन पुलिस उन्हे ढुढं नही पाई और यह वाहन तेज गति से झाटना को अंजाम देकर गायब हो जाते है। मंदसोर जावरा और मंदसौर सीतामउ तथा मंदसौर नीमच जैसे रूट पर अक्सर रात्री कालिन समय मे देखा जाता है की सब्जी पिकअप वाहन तेज गति से दौड रही है जिसमे स्प्रीट सेंसर या गति मापक जैसे कोई यत्र नही होते हैं। इन तेज रफ्तार सब्जी पिकअप वाहनों मे दिल्ली मुंबई तक माल जाता है और पुलिस नजर रखे तो इन वाहनों की आड़ मे डोड़ाचुरा तस्कर भी सक्रिय हो सकते है। युवा शिवसेना जिलाध्यक्ष श्री डोडिया ने मंदसौर जिला प्रशासन से मांग की है की रात्री कालिन समय मे तेज गति से दोड़ने वाली सब्जी पिकअप वाहनों की गति पर कट्रोल किया जावे और नियमों का पालन करवाया जावे ताकि सडक हादसों की बड़ती घटनाओं मे कमी आ सके।

मप्र अजाक्स संघ मंदसौर ने अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों की...

समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अजाक्स संघ मंदसौर द्वारा प्रांतीय निर्देशानुसार ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन को कलेक्टर मंदसौर के माध्यम से शासन का ध्यान अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अधिकारियों/कर्मचारियों की मूलभूत एवं संवैधानिक समस्याओं की ओर आकर्षित किया गया।

अजाक्स संघ का कहना है कि आरक्षित वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों को आज भी भेदभाव एवं प्रशासनिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। संघ ने मांग की है कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जा रही इस प्रकार की प्रताड़ना को शीघ्र रोका जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। संघ ने मांग की कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप नवीन पदोन्नति नियम को तत्काल लागू किया जाए। यह नियम सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा न्यायोचित बताया गया है। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के रिक्त बैकलॉग पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाए और एक माह के भीतर नियुक्ति आदेश जारी किए जाएं। ठेका पद्धति समाप्त की जाए, अन्यथा उसमें आरक्षण अधिनियम 1994 के तहत आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जैसा कि बिहार राज्य में लागू किया गया है। आरक्षित वर्ग के वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पद के अनुसार प्रभार दिया जाए, न कि कनिष्ठ अधिकारियों को वरीयता दी जाए। अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति समय पर दी जाए। मध्यप्रदेश के लोकसेवकों के लिए पुरानी पेंशन योजना को पुन: लागू किया जाए। अजाक्स संघ का कहना है कि इन मांगों को लेकर पहले भी अनेक बार ज्ञापन दिए गए हैं, किंतु शासन द्वारा अब तक ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। संघ ने स्पष्ट किया कि उनकी अधिकांश मांगें अनार्थिक हैं, जिनके लिए किसी विशेष वित्तीय भार की आवश्यकता नहीं है।

अजाक्स संघठन को पूर्ण विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं के अनुरूप शासन शीघ्र ठोस कार्यवाही करेगा और आरक्षित वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों को न्याय दिलाएगा। ज्ञापन का वाचन अजाक्स जिला अध्यक्ष श्री प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी के द्वारा किया गया, इस अवसर पर संभागीय उपाध्यक्ष जमुना प्रसाद अहिरवार, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी, वरिष्ठजिला सचिव रघुवीर मालवीय, जिला सचिव मनोज कुमार धानिया, वरिष्ठमार्गदर्शक जीवराज डांगी, जिला महासचिव प्रेमचंद बामनिया, जिला महासचिव श्री गोपाल सूर्यवंशी, वरिष्ठमार्गदर्शक श्री मांगीलाल चौहान, मंदसौर ब्लॉक अध्यक्ष श्री शैलेंद्र गोयल, मंदसौर तहसील अध्यक्ष श्री दिनेश सूर्यवंशी मल्हारगढ़ तहसील अध्यक्ष विजय कुमार देवड़ा, वरिष्ठ पदाधिकारी रघुनंदन श्रीमाल, जिला संयुक्त सचिव श्री राकेश कुमार डांगी, रामलाल जाटव, राधेश्याम देवड़ा, वरिष्ठ पदाधिकारी अनिल दाहिमा, मदनलाल मालवीय, चैनसिंह जमरा संजीवसिंह गौतम, श्री अर्जनसिंह सूर्यवंशी, श्री आसाराम पवार, श्री कालूराम परिहार, युवा छात्र संघ अध्यक्ष महेश परमार आदि उपस्थित थे।अंत में आभार जिला सचिव मनोज धनिया द्वारा व्यक्त किया गया । यह जानकारी जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी द्वारा दी गई।

प्रजापति समाज ने जल मंदिर की स्थापना की

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रजापति समाज मंदसौर द्वारा श्रीयादे माता रोड, संगीत महाविद्यालय के पास जल मंदिर की स्थापना की गई। इस जल मंदिर का शुभारंभ मंदसौर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर और जलकल सभापति श्री निलेश जैन के कर कमलों द्वारा किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने जल मंदिर की स्थापना को समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल बताया और कहा कि इससे समाज में एकता और सेवा की भावना को बल मिलेगा। सभापति श्री निलेश जैन ने कहा कि जल मंदिर से यात्रियों और राहगीरों को गर्मी के मौसम में शीतल जल उपलब्ध होगा, जो एक सराहनीय सेवा है। इस अवसर पर प्रजापति समाज के बड़ी संख्या में पुरूष, महिला व बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

वाहन रैली के लिए ओरेंज, चल समारोह के लिए लाल रंग की पोशाक तय

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रविवार को मंदसौर में सकल ब्राह्मण समाज की महिला विंग द्वारा परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। यह मीटिंग जनपद पंचायत सभागार में संपन्न हुई, जिसमें समाज की प्रमुख महिला पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। बैठक की अध्यक्षता महिला विंग की अध्यक्षा नीता चौबे ने की। इस अवसर पर विद्या उपाध्याय, अंजू तिवारी, सीमा नागर, मंगला त्रिपाठी, रेखा जोशी, मीना आचार्य, नीता छुआबे, गायत्री औझा, बिंदु चन्द्रे, मंजु शर्मा, अमृतबाला शुक्ला, ललिता भारद्वाज, अंजना मंडलोई और सोनाली भारद्वाज आयडी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

बैठक में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी पंडित दिलीप शर्मा, डॉ. क्षितिज पुरोहित, राजेश पाठक, ललित भारद्वाज, प्रवीण शर्मा और पुष्कर राज शर्मा ने भी उपस्थिति दर्ज कर समाज की एकजुटता को दर्शाया। बैठक में निर्णय लिया गया कि परशुराम जन्मोत्सव की वाहन रैली में सभी महिलाएं सक्रिय रूप से भाग लेंगी। जो महिलाएं स्वयं वाहन नहीं चला सकतीं, वे अपने परिजनों के साथ वाहन में सम्मिलित होंगी। आयोजन की गरिमा को बढ़ाने के लिए तय किया गया कि वाहन रैली के दिन महिलाएं ऑरेंज रंग का परिधान पहनेंगी। वहीं, चल समारोह के दिन सभी महिलाएं लाल रंग के वस्त्र धारण करेंगी। इस रंग योजना से कार्यक्रम में एकता और भव्यता का संदेश दिया जाएगा। समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए 11 महिलाएं सिर पर कलश लेकर अग्रिम पंक्ति में चलेंगी, जो भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक होगा।

मल्हारगढ़ तहसील केमिस्ट एसोसिएशन का गठन

नारायणगढ़, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय मल्हारगढ़ तहसील केमिस्ट एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। विस्तृत जानकारी के अनुसार मल्हारगढ़ तहसील केमिस्ट एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी का गठन विगत 8 वर्षों के उपरांत दिनांक 20 अप्रैल 2025, रविवार को होटल मीनाक्षी, पिपलियामंडी पर जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मनीष चौधरी, सचिव श्री पंकज सुराना, कोषाध्यक्ष श्री आशीष जैन एवं संरक्षक श्री राजेश पालीवाल के मार्गदर्शन में निर्विरोध निर्वाचन किया गया, जिसमें संरक्षक पद पर श्री प्रकाश बंसल (राज मेडिकल, पिपलियामंडी), अध्यक्ष पद हेतु श्री संजय बोहोरा (संजय केमिस्ट, मल्हारगढ़), सचिव पद हेतु श्री दिलीप गोयल (दीप मेडिकल, पिपलियामंडी) एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु श्री ललित पाटीदार (आदित्य मेडिकल, बूढ़ा) का मनोनयन किया गया। इस अवसर पर मल्हारगढ़ केमिस्ट एसोसिएशन के समस्त केमिस्ट उपस्थित थे।

स्कूल से निकली दिवंगत शिक्षक की अंतिम यात्रा

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जीवन के अंतिम समय में यदि कोई अपना पास में न हो तब अंतिम संस्कार की

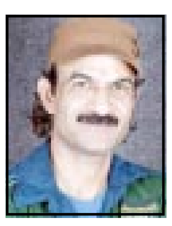

प्रक्रिया पूरी करना थोडा कठिन हो जाता है। परन्तु शिक्षक के साथ उसका स्कूल, विद्यार्थी तथा साथी शिक्षक इस कमी को कैसे पूरा करते हैं इसका उदाहरण पेश किया राम टेकरी मंदसौर स्थित निजी विद्यालय ने जब उन्हें पता चला कि उनके विद्यालय के संगीत शिक्षक श्री चेतन व्यास का आकस्मिक निधन हो गया है तथा अंतिम संस्कार समपन्न करने के लिए उनका कोई परिवारजन अथवा रिश्तेदार मौजूद नहीं है। तब विद्यालय प्रशासन ने स्वत: आगे बढ़कर न सिर्फ अंतिम संस्कार की समस्त व्यवस्थायें जुटाई बल्कि विद्यालय प्रांगण से ही अंतिम यात्रा प्रारंभ करने का साहसिक व अनूठा निर्णय लिया। सम्बंधित मित्रों व संस्थाओं ने विद्यालय प्रशासन को आवश्यक सहयोग प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि रविवार होने के बावजूद कई छोटे- छोटे विद्यार्थियों ने विद्यालय पहुँच कर अपने प्रिय संगीत शिक्षक को श्रृद्धांजलि अर्पित की। बाद में सूचना मिलने पर दिवंगत शिक्षक के अन्य रिश्तेदार भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। विद्यालय प्रशासन की इस पहल का सर्वत्र स्वागत किया जा रहा है।

डॉ. अंबेडकर का सामाजिक समरसता का संदेश भारतीय के लिए प्रेरणादायक है-श्रीमती बैरागी

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मल्हारगढ़ द्वारा पंडित अटल बिहारी वाजपेई शासकीय महाविद्यालय पिपलिया मंडी में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती व्याख्या माला कार्यक्रम आयजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में परिषद जिला समन्वयक श्रीमती तृप्ति बैरागी ने समस्त सामाजिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का जीवन हम सभी को सामाजिक समरसता समानता का भाव हम सभी के लिए प्रेरणादायक है शिक्षा के साथ समाज में प्रेम यही हम सभी के लिए सीखने योग्य हैं। इस अवसर पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जीवन दर्शन पर भाषण प्रतियोगिता तथा चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विजेता प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का सफल संचालन नरेंद्र पांडे ने किया तथा आभार श्रीमती उषा सोलंकी ने माना।

पंछी बचाओ अभियान के तहत लगाए 501 सकोरे

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भीषण गर्मी में पक्षियों को प्यास से बचाने के उद्देश्य से ग्राम खिलचीपुरा में पंछी बचाओ अभियान के अंतर्गत एक सराहनीय पहल की गई। इस अभियान के तहत पूरे गांव में कुल 501 सकोरे (जलपात्र) लगाए गए, जिससे पक्षियों को गर्मी में राहत मिल सके।

यह अभियान पंछी बचाओ अभियान टीम और ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। अभियान का नेतृत्व सरपंच इकबाल मेव, सहायक सचिव सुरेश परमार, तथा टीम के संस्थापक राकेश भाटी ने किया। सरपंच इकबाल मेव ने इस अवसर पर कहा, गर्मी के इस कठिन समय में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना हमारी सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी है। यह न केवल सेवा का कार्य है, बल्कि जीवदया का संदेश भी है। राकेश भाटी ने बताया कि यह अभियान केवल खिलचीपुरा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गांव-गांव में सकोरा वितरण अभियान चलाया जा रहा है, जो गर्मी भर जारी रहेगा। सह सचिव सुरेश परमार ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई और ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घरों में भी जलपात्र लगाकर नियमित रूप से पानी भरें। इस पहल का गांववासियों ने खुले दिल से स्वागत किया और सभी ने जलपात्रों में नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प लिया। अभियान की यह प्रेरणादायक पहल न केवल ग्राम खिलचीपुरा के लिए एक मिसाल बनी है, बल्कि अन्य गांवों के लिए भी एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से इकबाल मेव (सरपंच), सुरेश परमार (सह सचिव), राकेश भाटी (संस्थापक पंछी बचाओ अभियान), रियाज अंसारी, इमरान अंसारी, साहिल अंसारी, शाहिद मेव, आयूं मेव, मुन्ना मेव, शरीफ पठान, शाहिद अंसारी, हरीश राव, इरफान मेव, देवेंद्र राव (संयोजक), फरदीन शाह, प्रीति कुमावत, ज्योति कुमावत, आस्था बोरासी, गोपाल राव सहित कई ग्रामीण जन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के नाम रामपुरा के संदर्भ में खुला खत...

चित्तौड़ के महाराणा की रही थी जो राजधानी, कहलाती है जो राजा रामा भील की नगरी ढाणी..!

हे नई उम्मीदों के नाम पर जो हुआ सीना छलनी, कब तक विकास की राह तकेगी रामपुरा ये जवानी..! एक तरफ है पथरीले पहाड़ तो दूसरी ओर पानी, हे रामपुरा! क्या यही रहेगी बस तेरी कहानी...!!

उपरोक्त पंक्तियां रामपुरा की विरासत और इतिहास की कहानी बताती हैं, ओर इस रामपुरा ने विकास के नाम पर ओर देश की आज़ादी की लड़ाई में बहुत कुछ खोया हैं। राजा रामा भील की बसाई रामपुरा नगरी कभी महाराणा प्रताप की शरणस्थली और चंद्रावत वंशजों की राजधानी रहा, और देश की आज़ादी का केंद्र बिंदु रही रामपुरा की सरजमीं ..! जहा से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामपुरा से निकलकर देश के कोने कोने में जाते थे। मालवा की राजधानी इंदौर ओर रामपुरा की गठजोड़ की कहानी बिल्कुल वैसी है जैसे चंबल नदी की धार की है। चंबल नदी के पानी की तासीर ने इंदौर ओर रामपुरा को एक धार में जोड़े रखा ओर दोनों शहरों के बीच की दूरी को कम किया ओर व्यापार संस्कृति और सभ्यता को जोड़े रखा..! इसीलिए रामपुरा की तासीर में जो व्यापार का गुण था उससे यहां के कई व्यापारी निकले जो इंदौर में बसकर इंदौर के व्यापार को नया आयाम दिया...ओर आज इंदौर प्रमुख व्यापारिक राजधानी बना...!

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव आपका मनासा विधानसभा के रामपुरा में हार्दिक स्वागत अभिनंदन..! श्रीमान जी रामपुरा वो धरती हे जो एक समय शिक्षा और व्यापार की नगरी ओर जहा हमेशा रौनक रहती थी...! कहते हे ना कि विकास के साथ विनाश भी आता है और जब क्षेत्र के विकास के लिए चंबल नदी पर गांधीसागर बांध बना तो सबसे ज्यादा दर्द और नुकसान रामपुरा ने झेला सहा और आज तक उस पीड़ा से उब्बर नहीं सका...! जैसे तैसे यहां के बाशिंदों ने संभलना सीखा और इसी के साथ आगे बढ़ना ही उचित समझा। सैकड़ों गांवों के जलमग्न हो जाने से विस्थापन हुआ तो शिक्षा नगरी का उस समय में पीजी कॉलेज , आईटीआई ओर कीमती महिला कॉलेज बेहाल हुए ओर छात्र यहां पढ़ने आने बंद होगए! व्यापार समाप्त हुआ तो व्यापारी भी अन्य शहरों में पलायन कर गए ओर आज भी पलायन जारी हैं। उपर से आए दिन प्राकृतिक त्रासदी झेलकर भी रामपुरा और यहां के बाशिंदे सिर्फ एक छोटी सी उम्मीद पर टीके हुए कि यदि रेलमार्ग ओर सीधा रामपुरा से गरोठ पुलिया बन जाए तो व्यापार को विस्तार मिलेगा, छोटी औद्योगिक इकाइयां की सम्भावना बनेगी..! प्राकृतिक संसाधन जल, जमीन, जन , जंगल ओर जज्बा ये सब रामपुरा मनासा के पास प्रचुर मात्रा में है और इनका समुचित उपयोग किया जाएगा तो रामपुरा फिर से लहलहा उठेगा..! श्रीमान बरसो से क्षेत्र की जो मांग हे, नीमच रामगंजमंडी रेल लाइन उसका सर्वे पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन जी ने करवाया उसके बाद वो भी ठंडे बस्ते में चला गया। जोड़मी से बर्रामा पुलिया का सर्वे भी पूर्व मंत्री श्री नरेंद्र जी नाहटा के प्रयासों से हुआ वो भी 2018 में कमलनाथ सरकार के गिरने से वो वो उम्मीद भी खत्म होगई थी। परन्तु पिछली बार आपने नीमच में नीमच से झालावाड़ फोरलेन की बात की तो क्षेत्र की जनता को उम्मीद जगी कि चंबल से उस पार से सीधा रामपुरा जुड़ सकता है। श्रीमान 2019 की जल त्रासदी के बाद तो ऐसा लगा था की अब रामपुरा उठ जाएगा लेकिन इतनी भयानक त्रासदी के बाद भी राजा रामा भील की नगरी के बाशिंदे भी रामा भील की ही तरह मजबूत और पक्के इरादे के है जो ऐसे हार मनाकर पलायन करने वालों में से नहीं है।

2019 की जलप्रलय की त्रासदी से जैसे तैसे रामपुरा उभरा ही था कि केंद्र सरकार की दो परियोजनाएं राष्ट्रीय सिंचाई योजना खिमला और गांधीसागर अभ्यारण चीता प्रोजेक्ट ने फिर से रामपुरा के जेहन में डर घर करने लगा...! चीता प्रोजेक्ट में रावलिकुई, बस्सी, भुज, चेनपुरिया जैसे 8 गांवों के पशुपालकों के चारागाह की जमीन अधिग्रहण से उनके भविष्य पर चिंता के बादल मंडराने लगे क्योंकि जमीन नहीं रहेगी तो लगभग 30 हजार गायों के निवाले का क्या होगा...? क्षेत्र के लोगों ने आंदोलन भी किया सरकार तक अपनी बात पहुंचाने की भरसक प्रयास किए, जेल गए भूखे रहे पर गाय के नाम पर वोट मांगने वाली भाजपा सरकार के कानों में जू तक नहीं रेंगी...! चंद विदेशी चीतों को बसाने के तानाशाही फरमान ने 30 हजार गायों ओर सैकड़ों गौ पशुपालकों के दाने पानी पर संकट खड़ा होगया। इधर खिमला हाइड्रोपावर प्लांट में खिमला बस्सी और आसपास के छोटे गांवों की जमीनों के अधिग्रहण से वहां

बसने वाले हजारों बाशिंदों के पैरों की जमीन खिसक गई और उसकी चिंता रामपुरा शहर के व्यापारियों को भी होने लगी की अगर रामपुरा पठार भी विस्थापित होगया तो फिर रामपुरा के व्यापार के लिए बचेगा क्या..? अत: श्रीमान मुख्यमंत्री जी आपसे आग्रह हे कि आप रामपुरा आ रहे हे तो रामपुरा नगर ओर आसपास के क्षेत्र का सम्पूर्ण विकास कैसे हो इसका भी आश्वासन ओर उसकी कार्ययोजना देकर जाए। मेरी आपसे रामपुरा के लिए जो मांगे हे उन पर विचार अवश्य करें और उन्हें मूर्त रूप देकर रामपुरा को पुन: आबाद रामपुरा बनाए...! 1. रामपुरा पठार क्षेत्र के किसानों ओर पशुपालकों का समुचित विस्थापन..! 2. 30 हजार गौ माता के लिए समुचित चारागाह की व्यवस्था करवाएं..! 3. छोटी छोटी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना (फ्रूट प्रोसेसिंग , कोल्ड स्टोरेज, कंबल प्लांट एवं अन्य रोजगारोन्मुखी योजना)...! 4. नीमच झालावाड़ फोरलेन वाया गरोठ जिसमें रामपुरा को सीधे गरोठ से जोड़ने के लिए पुलिया निर्माण हो...! 5. नीमच रामगंजमंडी रेल योजना को पूरा करवाए...! 6. गांधीसागर अभ्यारण और रामपुरा रिंगवाल को पर्यटन हेतु विकसित करना जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिले....! 7. रामपुरा कृषि उपज मंडी को विस्तारित करना..! 8. रामपुरा और आसपास स्थापित ग्रींको, डिबीएल ओर अन्य इकाइयों ओर चीता प्रोजेक्ट से उत्पन्न होने वाले रोजगार में स्थानीय युवाओं को अवसर दिलाए, बाहर से भर्ती पर रोक लगवाए..! 9. रामपुरा में स्थित ऐतिहासिक इमारतों और धरोहरों का संरक्षण...! 10. रामपुरा रिंगवाल को मजबूत करना ताकि पुन: 2019 जैसी आपदा ना आवे..!

आशा करता हूं, कि श्रीमान मुख्यमंत्री श्री मोहन जी यादव मेरी बात आप तक पहुंचेगी और आप मेरी इन सब मांगो ओर बातों से सहमत होकर इनको अपनी भविष्य की योजना में शामिल करवाकर रामपुरा को पुन: खुशहाल बनाने का प्रयास करेंगे। श्रीमान इन योजनाओं के मूर्त रूप लेने से सिर्फ रामपुरा ही नहीं वरन मनासा, नीमच ओर पूरे संसदीय क्षेत्र के साथ साथ आसपास के जिलों जिसमें राजस्थान के भी कुछ जिले तक लाभ पहुंचेगा...! इस विनय के साथ मनासा के विकास का आकांक्षी आपका प्रदेश वासी एक आम नागरिक...

महेंद्र उपाध्याय
सांडिया (मनासा)

मंदसौर-नीमच जिले में एक भी खेत नहीं रहेगा सिंचाई से वंचित-मुख्यमंत्री

✻ नीमच जिले के जावद में किया सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण ✻ मेधावी विद्यार्थियों को दिये लैपटाप ✻ किसानों को सोलर पम्प देकर दिलाएंगे बिजली बिल से मुक्ति ✻ सुखानंद को बनायेंगे धार्मिक पर्यटन केन्द्र ✻ जावद के स्वास्थ्य केन्द्र का 100 बिस्तरीय अस्पताल में होगा उन्नयन ✻ जावद में सुविधि रेयॉन्स की इकाई से सृजित होंगे 2 हजार रोजगार ✻ मुख्यमंत्री ने 785 करोड़ लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि-पूजन

नीमच, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंदसौर और नीमच जिले के हर खेत को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई दो बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ों परियोजना से पूरा मालवा क्षेत्र भी लाभान्वित होगा। किसानों को सोलर पम्प देकर उन्हें बिजली बिल से मुक्ति दिलाई जायेगी। किसान अब खुद सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन करेंगे। अधिक बिजली उत्पादन होने की स्थिति में किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को नीमच जिले के जावद में महर्षि सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 785 करोड़ रूपये की लागत के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जावद में बने महर्षि सांदीपनि विद्यालय का भवन बहुत ही अद्भुत और सर्व सुविधा युक्त हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व-स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रधानमंत्री श्री मोदी के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्व संसाधन युक्त अधोसंरचना विकसित की गई है। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषयवार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड यूनिट मोरवन, का भूमि-पूजन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड का भूमि-पूजन किया। इस परियोजना से नीमच को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह परियोजना 31 हेक्टेयर क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जाएगी, जिससे लगभग 2000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह इकाई फार्म टू फैशन की अवधारणा को रूप देगी, जिसमें कच्चे माल की खरीद किसानों से लेकर फिनिश्ड फैब्रिक तक की संपूर्ण प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संपन्न होगी। यह एक पूर्णत: एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा, जिसमें 168 आधुनिक लूम्स, 30,000 स्पिंडल्स और तीन प्रोसेसिंग हाउस स्थापित किए जाएंगे। नीमच अब टेक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखने को तैयार है, जो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के सपने की ओर अग्रसर करेगा।

मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि सुखानंद तीर्थ स्थल को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। थड़ोद स्थित हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन किया जाएगा। सिंगोली स्थित स्वास्थ्य केंद्र का परीक्षण कर उन्नयन की कार्यवाही होगी। जावद में स्थित स्वास्थ्य केंद्र को 100 बिस्तरीय कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एशिया में चीते प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। मध्यप्रदेश ने इस प्रोजेक्ट में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। प्राणियों के लिए भी सरकार ने चिंता की है। चीते की मध्यप्रदेश में अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है। गांधीसागर में वन्य प्राणियों से लोगों को रोजगार मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इको सिस्टम अच्छा बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश नई दिशा की तरफ आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक सप्ताह कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। आज नागरिकों के लिए बहुत ही खुशियों का अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में भारी बदलाव हुए हैं। सनातन संस्कृति, कृषि, उद्योग, शिक्षा के लिए सरकार ने काम किया है। साइबर तहसील के माध्यम से सारे काम ऑनलाइन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित किये गये। इसके साथ ही चीता आने से गांधी सागर अभयारण्य में पर्यटन की संभावना को नए पंख लगे हैं। पर्यटन का खजुराहो एक मार्ग था, अब दूसरा मार्ग नीमच से शुरू हुआ है। जावद विधायक श्री ओमप्रकाश ने कहा कि जावद की विकास परंपरा हमेशा आगे बढ़ने की रही है। आज जीवन में सबसे बड़ी खुशी का अवसर है। नीमच में उद्योग के निवेश से रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ेगी। और यह सब सरकार की प्रयासों संभव हुआ है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने छोड़ा अभ्यारण्य में...

चीता भाइयों को मिला नया घर

पिंजरा खोलते ही दौड़ पड़े पावक और प्रभास

मंदसौर/ मनासा, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कुनो अभ्यारण्य से लाये गये चीता भाइयों पावक और प्रभास को नए घर में शिफ्ट कर दिया गया। पावक और प्रभास का गांधी सागर अभ्यारण्य नया घर बन गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने रविवार शाम को पावक और प्रभास नाम के दो चीता भाइयों को अभ्यारण्य के बाड़े में छोड़ा। पिंजरा खुलते ही एक-एक करके दोनों ही चीतों ने बाड़े में दौड़ लगा दी। पावक और प्रभास दोनों ही चीतों को कूनो नेशनल पार्क से गांधी सागर अभ्यारण्य लाया गया है। नर चीते पावक और प्रभाष करीब 04-04 साल के हैं। इन दोनों को दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी 2023 को लाया गया था। दोनों ही सगे भाई हैं। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क से रविवार सुबह 8 बजे गांधी सागर के लिए चीतों को लेकर टीम रवाना हुई थी, जो दोपहर करीब 4 बजे गांधी सागर पहुंची। दोनों को ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में रखा गया था। ये वही पिंजरे हैं, जिन्हें चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाने के लिए तैयार किया गया था। वातानुकूलित गाड़ी में दोनों को अलग-अलग पिंजरे में रखा गया था। ये चीते राजस्थान के कोटा, झालावाड होते हुए 08 घंटे में 360 किलोमीटर की दूरी बिना रूके तय कर गांधी सागर पहुंचे। यहां इन्हें 06 वर्ग किमी के बाड़े में छोड़ा गया।

अभ्यारण्य में 8-10 चीतों को बसाने का इंतजाम...

गांधी सागर अभ्यारण्य में वन विभाग ने चीतों के लिए 8 हजार 900 हेक्टेयर का विशेष क्षेत्र तैयार किया है। यहां 08 से 10 चीतों को बसाने की व्यवस्था की गई है। चीतों के भोजन के लिए अभ्यारण्य में 150 से अधिक चीतल, 80 से अधिक चिंकारा, 50 से अधिक व्हाइट बोर्ड और 50 से अधिक नीलगाय मौजूद हैं। इसके अलावा यहां पहले से ही हिरणों की अच्छी-खासी संख्या है।

अभ्यारण्य के 90 चीता मित्र कूनो में हो चुके ट्रेंड...

गांधी सागर अभ्यारण्य के रेंजर अंकित सोनी ने कहा कि 90 प्रशिक्षित लोगों की टीम चीतों की देखरेख करेगी। इनकी ट्रेनिंग कूनो संचुरी में पूरी हो चुकी है। वन विभाग ने 16 किलोमीटर में एक परिक्षेत्र बनाया है, जिसमें चीतों को सुरक्षित रखा जाएगा। पानी की विशेष व्यवस्था के लिए संचुरी एरिया में तालाब बनाए गए हैं। मंदसौर डीएफओ संजय रायखेरे ने बताया कि गांधी सागर अभ्यारण्य मंदसौर संसदीय क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है चीतों की आमद से यहां पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कूनो में रह गये 24 चीते...

इन दोनों चीतों के कूनो नेशनल पार्क से जाने के बाद अब 24 चीते रह गये है। इनमें 13 भारतीय, जबकि 11 विदेशी चीते हैं। इन 24 में से 17 चीते फिलहाल कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में दौड़ लगा रहे हैं।

कांग्रेस नेता आर सागर कछावा को पुलिस ने सात घंटे किया नजरबंद

मुख्यमंत्री के रामपुरा से रवाना होने के बाद घर के बाहर से हटी पुलिस, सिंचाई योजना से वंचित 13 पंचायतों को जोड़ने के लिए ज्ञापन देने जाने वाले थे मुख्यमंत्री को, बाद में जिला पंचायत सदस्य नखरा कछावा ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

मनासा, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री डां. मोहन यादव रविवार को रामपुरा आएं। मुख्यमंत्री को जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी आर. सागर कछावा अपने जिला पंचायत वार्ड 9 की 13 ग्राम पंचायत सिंचाई योजना से वंचित रह गई थी। जिन्हे योजना में जुडवाने के लिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए रामपुरा जाने और विरोध करने का मैसेज सोशल मिडिया पर पोस्ट किया। विरोध के मैसेज को लेकर प्रशासन और पुलिस ने उनके निवासी पर दो पुलिस जवानो की डयुटी तैनात कर नजरबंद किया। वही पुलिस का कहना है कि नजरबंद नही किया नजर रखने के लिए डयुटी लगाई गई।

मुख्यमंत्री के रामपुरा आने से पहले ही सुबह 11 बजे दो पुलिस जवान जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नखरा आर.सागर कछावा के निवासरत धनोतिया कॉलोनी पहूंचे। पुलिस जवान 11 बजे से ष्शाम 6 बजे तक तैनात रहे। जब मुख्यमंत्री गांव बस्सी से रवाना हुए उसके बाद कछावा के घर के सामने से पुलिस हटी। पुलिस के जनरबंद करने के बाद जिला पंचायत सदस्य नखरा कछावा रामपुरा पहुंची और एसडीएम पवन बारिया को ज्ञापन सौपा। लेकिन

उनके प्रतिनिधी सागर कछावा को 7 घंटे तक नजरबंद रखा। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी कछावा ने बताया कि मेरे जिला पंचायत वार्ड की 13 पंचायते गांधीसागर पेयजल योजना से वंचित रह गई है। जिनको योजना में ष्शामिल कर वहां कि किसानो को भी सिंचाई के लिए पानी मिले इस मांग को लेकर मै मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहा था। लेकिन पुलिस ने मुझे नजरबंद कर जाने नही दिया। किसानों की मांग को लेकर को लेकर जिला पंचायत सदस्य ने रामपुरा पहुंचकर योजना में पंचायतों को जोडने का मांग पत्र सौपा। इस मामाले में थाना प्रभारी शिव रघुवंशी ने बताया कि कछावा ने सोशल मिडिया पर विरोध करने का मैसेज पोस्ट किया था। इसलिए उन पर नजर रखने के लिए अपने स्त्रोत लगाएं गए। नजरबंद नही किया गया वे नजरबंद करने की बात गलत कर रहे है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही, तीन संस्थाओं से लिये सेम्पल

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दलौदा क्षेत्र में नायब तहसीलदार पुष्पेन्द्र हटिला के साथ तीन संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया एवं सेम्पल जब्त किये गये।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते कलेक्टर के निर्देश पर दलौदा नायब तहसीलदार के साथ दिनांक 20 अप्रैल रविवार को कृष्णा फैमिली रेस्टोरेंट एवं ढाबा दलौदा महू - नीमच रोड से लस्सी, आर.डी. होटल महू - नीमच रोड दलौदा से पनीर और राजस्थानी अपना ढाबा एवं रेस्टोरेंट महू - नीमच रोड दलौदा से ग्रेवी के नमुने लिये गये। जो जांच वास्ते राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये। जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्यवाही की जायेगी। सभी होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट संचालकों को उचित साफ - सफाई के साथ व्यवसाय करने के निर्देश दिये गये। गर्मी को ध्यान में रखते हुए मिल्क उत्पादों का उचित डीप फ्रीज में रख कर व्यवसाय करने के निर्देश दिये गये है। कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

सनातन संस्कृति में सुरक्षा को विशेष महत्व दिया गया-यशोदा राठौर

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय सनातन संस्कृति में हमारे सभी आराध्य भगवान, देवी, देवताओं के एक हाथ में शस्त्र व दूसरे हाथ में शास्त्र हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि हमारे यहां सुरक्षा व्यवस्था को विशेष महत्व प्रदान किया गया है क्योंकि जब मानव सुरक्षित रहेगा, जीवित रहेगा तभी तो यह जीवन चक्र सुचारू रूप से चल पाएगा। लेकिन पिछले एक हजार वर्ष की गुलामी ने हमारी मानसिकता को बुरी तरह से भीरू बना दिया है।

उक्त विचार श्रीमती यशोदा राठौर ने व्यक्त किए। वे बड़ी होली, किला रोड स्थित प्राचीन श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन में 'जीवन के लिए सबसे आवश्यक तत्व -सुरक्षा' विषय पर अपने विचार रख रहे थे। परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए समाजसेवी सुरेशकुमार सावरा ने कहा कि सुरक्षा का पहला पाठ संगठित होना है। जब तक संगठित नहीं होंगे तब तक हम सुरक्षित नहीं हो सकते। भारत में ही नहीं वरन पूरी दुनिया में ही सज्जनता, मानवता पर संकट दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। इस अवसर पर समाजसेवी बंशीलाल टांक ने बताया कि हमारी सनातन संस्कृति में जीवन के लिए आवश्यक तत्व वायु, जल, अग्नि, पृथ्वी एवं आकाश को माना गया है जो कि शाश्वत सत्य भी है। लेकिन वर्तमान में मानव की सुरक्षा ही संकट के घेरे में आ गई है इसलिए आज का सबसे गंभीर व अहम प्रश्न हमारी सुरक्षा का खड़ा हो गया है। जब हम ही सुरक्षित व जीवित नहीं रहेंगे तब हम इन पंच तत्वों का क्या करेंगे ? अनुराग संस्था के संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने कहा कि भारत का विभाजन, कश्मीर से कश्मीरी पंडितों का पलायन और सबसे ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल का हैं जहां अपने देश के नागरिकों को एक राज्य से दूसरे राज्य में पलायन करना पड़ रहा है। यह बहुत ही भयावह स्थिति है। सुरक्षा भाव पैदा करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सुरक्षा भाव ही राष्ट्र को सुरक्षित रखेगा।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा कन्या पूजन एवं भण्डारे के साथ सम्पन्न

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय स्नेह नगर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा की विश्रांति रविवार को हुई। कथा के सातवें दिन भगवान श्री कृष्ण और सुदामा की मित्रता की झांकी प्रस्तुत की गई। कथा के पश्चात् हवन का आयोजन हुआ। तत्पश्चात् कन्या पूजन से महाप्रसादी प्रारंभ हुई जो देर शाम तक चलती रही जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया। कथा वाचक पं. श्री सत्यनारायणजी शर्मा प्रतापगढ़ वाले ने भगवान श्री कृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के प्रसंग का वर्णन किया, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कथा वाचक ने बताया कि सुदामा जी भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे और उनकी भक्ति में लीन रहते हुए भी दरिद्रता का सामना कर रहे थे। एक दिन उनकी पत्नी ने उन्हें द्वारका जाने और श्री कृष्ण से सहायता लेने की सलाह दी। सुदामा जी द्वारका पहुंचे, जहां भगवान श्री कृष्ण ने उन्हें पहचानकर उन्हें गले लगाया और उनका सम्मान किया। भगवान ने सुदामा जी को अपार धन और सुख प्रदान किया, जिससे उनकी दरिद्रता समाप्त हो गई। कथा के समापन अवसर पर कन्या पूजन और भण्डारे का आयोजन किया गया।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय डिगांवमाली में सीमेंट कुर्सिया एवं वाटर कुलर लगाये जायेंगे-आंजना

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शासकीय प्राथमिक विद्यालय डिगांवमाली में विगत 6 वर्षो से शाला विकास समिति जन सहयोग शिक्षको के सहयोग विद्यार्थीयो के सहयोग ग्राम पंचायत तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से शाला विकास में उत्तीतर उन्नती हो रही है। मैदान का समतलीकरण पेड़ के चबुतरे का निर्माण झण्डा स्टेण्ड 25 पौधे ट्री गाॅउ सहित तथा पुरे विद्यालय भवन पर चित्रमय झलकीया कक्षा कक्षों में ज्ञान वर्धक चित्रकारी स्लोगन तथा एलईडी टीवी, डिजे साउण्ड सिस्टम लगाकर फर्निचर लाईट पंखे की व्यवस्था सजावटी सामान की व्यवस्था तथा शोचालय

मुत्रालय में रंगाई पुताई आदि कार्य किये गये। इसी कड़ी मे ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि दशरथ सिंह आंजना द्वारा 4 पंखे दान कर कहा कि आगामी दिवस में मैदान मे छोटे छोटे वृक्षों के समीप सीमेंट की 7 कुर्सीया अपने दादाजी स्व.श्री मोहनलाल आंजना पटेल सा. की स्मृति में लगवाई जायेगी।

कॉलोनाईजर समाजसेवी भारतसंह आंजना ने कहा कि पेड़ के चबुतरे का निर्माण कर शाला विकास में सहयोगी बना हूँ पुर्व में भी विद्यालय मैदान मैं गिट्टी काली चुरी डाली गई थी। आगामी नवीन सत्र जुन में वाटर कुलर लगवाया जायेगा। नवांकुर संस्था प्रिय दर्शन सेवा संस्था मंदसौर के दिनेश सौलंकी द्वारा कहा गया कि फल एवं औषधी मसाले युक्त पौधे विद्यालय परिसर में लगाये जायेगे। तथा बाउन्ड्रीवाल सीमेट कांक्रीट के लिये जनपद सदस्य जयसिंह चौहान, भाजपा मंडल महामंत्री मानसिंह आंजना तथा नवाकुर संस्था के जयसिंह आंजना, प्रकाश आंजना ने सहयोग की अपील की है। विशेष सहयोगी के रूप से नारद शर्मा, राहुल टेलर द्वारा उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा को बाउन्ड्रीवाल सीमेंट कांक्रीट की मांग से अवगत कराया है। यह जानकारी प्रधानाध्यापक मनीष पारीख सर द्वारा दी गई।

विराट वाजपेय महासोमयज्ञ में सेवाधारियों का किया सम्मान

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जय माता दी ग्रुप एवं मॉर्निंग ग्रुप द्वारा प्रहलाद काबरा, मिलिंद जिल्हेवार एवं राजेंद्र चाष्टा परिवार को विराट बाजपेय सोम यज्ञ में समर्पण भाव से सेवाएं देने पर बहुमान किया गया।

ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि श्री विराट वाजपेई महासोम यज्ञ में जय माता दी ग्रुप के वरिष्ठ सेवादार श्री प्रहलाद काबरा के अध्यक्षीय दायित्व के साथ सोमयज्ञ ने विराट उंचाई मंदसौर की पावन धरा पर छुई है। ग्रुप के सदाबहार व्यक्तित्व के धनी श्री मिलिन्द जिल्हेवार द्वारा भी नित्य अपनी सम्पूर्ण सेवाएं सोम यज्ञ में दी गई है, साथ ही ग्रुप के राजेंद्र चाष्टा के संपूर्ण परिवार द्वारा भी नित्य संपूर्ण समर्पण भाव से अपनी सेवाएं दी गई हैं। उनकी इन उत्कृष्ट सेवाओं को शब्दों में पिरोना अत्यंत कठिन है। जय माता दी ग्रुप के सेवादारों और मॉर्निंग ग्रुप के सदस्यों की मन की इच्छा के अनुरूप श्री बालाजी मंदिर गोल चौराहा पर सोम यज्ञ में अपनी विशिष्ट सेवाएं देने के लिये ग्रुप के सदस्यों द्वारा आप तीनो का सम्मान सादे एवं गरिमामय माहौल में श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर किया गया। इस अवसर पर मदनलाल सिसोदिया, नंदकिशोर सोमानी, श्री हरीश अग्रवाल, रामेश्वर गर्ग, रमेश काबरा, जगदीश काबरा, कुशल डोसी, सत्यनारायण छापरवाल, सुरेश पाटीदार, मनीष गुप्ता रमेश खत्री, जितेंद्र कोठारी, मुकेश कासट, मुकेश जैन, आशीष पालीवाल, श्री जैनु भाई ,श्री मुकेश गर्ग, श्री संदीप सेठिया, श्री जयप्रकाश गर्ग, श्री जितेंद्र गुप्ता, श्री अशोक चपरोत, श्री राजकुमार अग्रवाल, श्री भूपेंद्र शर्मा एवं श्री महेश काबरा तथा कई अन्य सेवादार उपस्थित थे, आप सभी ने ईश्वर से आप तीनों हेतु प्रार्थना की की आप इसी प्रकार धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में अपनी सेवाएं प्रदान करते रहे। उक्त जानकारी जय माता दी ग्रुप के वरिष्ठ सेवादार श्री रमेश काबरा द्वारा दी गई।

एथलेटिक्स एवं भर्तियों का नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर

मंदसौर, 20 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। एथलेटिक्स, आर्मी अग्निवीर, और पुलिस भर्ती के अभ्यर्थियों एवं एथलेटिक्स खेल की सभी विधाओं के प्रशिक्षण के लिए पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द, एवं जिला खेल अधिकारी श्री विजेन्द्र देवड़ा के दिशा-निर्देश पर एथलेटिक्स खेल एवं शरीरिक दक्षता परीक्षण (भर्ती प्रशिक्षण) का नि:शुल्क प्रशिक्षण पुलिस विभाग एवं खेल और युवा कल्याण विभाग, मन्दसौर द्वारा पी.एम. श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, मन्दसौर के सहयोग से प्रशिक्षण कॉलेज के खेल मैदान पर एन.आई.एस. जिला एथलेटिक्स कोच श्री मुकेश भटेवरा, खेल और युवा कल्याण विभाग, मन्दसौर द्वारा दिया जा रहा है, जो भी अभ्यर्थी इस प्रशिक्षण का लाभ लेना चाहते है वो पी.एम. श्री कॉलेज, मन्दसौर के खेल मैदान पर प्रशिक्षण समय प्रात: 6:00 बजे एवं शांम 5:30 बजे जिला एथलेटिक्स कोच श्री मुकेश भटेवरा से मो. 9981795075 पर या कार्यालयीन समय में खेल और युवा कल्याण विभाग, रेवास देवड़ा रोड, मन्दसौर पर प्रशिक्षण हेतु सम्पर्क कर सकते हैं।

✻ उठावना ✻

स्व. श्री लक्ष्मी नारायण जी जोशी के बड़े बेटे व रमेश, प्रकाश, स्व दिलीप, कैलाश, निलेश जोशी के बड़े भाई राकेश के पूज्य पिताजी हर्षित के बड़े पापा प्रतीक प्रवीर पवन के बड़े पापा एवं पर्व के दादाजी स्व.ओम प्रकाश जी जोशी मनासा का दुखद निधन दिनांक 20/04/25 को हो गया है जिनका उठावना दिनांक 22/04/25 को निज निवास शंकर कुई गली मनासा पर सुबह 11:30 बजे रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
जोशी परिवार मनासा

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in